रेडियो नाटक

प्रश्न 1) रेडियो नाटक की कहानी का चुनाव करते समय किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

उत्तर : रेडियो नाटक की कहानी का चुनाव करते समय तीन मुख्य बातों का ध्यान रखा जाता है।

1. कहानी केवल घटना प्रधान न हो।

2. नाटक की अवधि बहुत अधिक न हो। उसकी अवधि 15-30 मिनट तक होनी चाहिए।

3. पात्रों की संख्या सीमित हो। जैसे 15-30 मिनट के नाटक के 6-10 ही पात्र हो, तो अच्छा है।

प्रश्न 2) रेडियो नाटक लिखते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए?

उत्तर : रेडियो नाटक लिखते समय निम्न बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए :-

- रेडियो नाटक में क्योंकि दृश्य नहीं होते, इसलिए रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभाव व संवाद महत्वपूर्ण होते हैं।
- रेडियो नाटक में दृश्य अंक नहीं लिखा जाता, कट हिस्सा लिखा जाता है।
- संवादों के द्वारा ही देश काल स्थापित किए जाते हैं।
- रेडियो नाटक में पात्रों संबंधी सारी जानकारी संवादों से मिलती है, यहाँ तक कि पात्रों के नाम, आपसी संबंध और चारित्रिक विशेषताएँ भी संवादों से उजागर होते हैं।
- नाटक लेखन में भाषा का विशेष ध्यान रखा जाता है। जैसे - पात्र पढ़े लिखे हैं, किस प्रांत के हैं, क्या रोजगार-धंधा करते हैं आदि भाषा के माध्यम से ही व्यक्त होता है।
- संवाद जिस चरित्र को संबोधित है, उसका नाम लेना जरूरी है।
- पात्र विशेष जब कोई हरकत करता है, उसे भी संवाद का हिस्सा बनाया जाता है।

* * * * *

VASUNDHARAHINDI.COM